एक तू ही भरोसा एक तू ही सहारा

एक तू ही भरोसा एक तू ही सहारा,
इस तेरे जहां में नहीं कोई हमारा,
ईश्वर या आल्हा ये पुकार सुन ले,
ईश्वर या आल्हा हे दाता

हम से न देखा जाए बर्बादियों का समा,
उजड़ी हुई बस्ती मे ये तड़प रहे निशाँ,
नन्हे जिस्मो के टुकड़े लिए खड़े है एक माँ,
बारूद के दुए में तुहि बोल जाए कहा,
एक तू ही भरोसा एक तू ही सहारा

नादां है हम तो मालिक, क्यों दी हमें यह सजा
यहाँ है सभी के दिल में नफरत का ज़हर भरा..
इन्हे फिर से याद दिला दे सबक वही प्यार का
बन जाए गुलशन फिर से काँटों भरी दुनिया
एक तू ही भरोसा, एक तू ही सहारा

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/15808/title/ek-tu-hi-bharosa-ek-tu-hi-sahraa

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |